Budget 2015

लघु उद्यमियों की पूंजी जरूरत पूरी हो

उमेश रेवणकर

प्रबंध निदेशक,
श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस

आम बजट में लघु उद्यमियों की पूंजी जरूरत को पूरा करने के लिए विशेष ध्यान दिए जाने की जरूरत है. क्योंकि लघु उद्योग अर्थव्यवस्था का इंजन है और लघु उद्यमी वित्त के अभाव में समुचित विकास नहीं कर पा रहे हैं. मौजूदा बैंकिंग सिस्टम उनकी वित्त जरूरत को पूरा करने में सक्षम नहीं है. आज लघु उद्यमी अपनी पूंजी की जरूरत मुख्यतः अपने परिवार, मित्र या गैर बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) और साहूकारों से ही पूरी करता है. ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा होने के बाद ही बैंकों से पूंजी सहयोग मिलता है. इसलिए आरंभिक स्तर पर उन्हें विकसित होने के लिए निजी पूंजी (एनबीएफसी फंडिंग साहित) पर ही निर्भर रहना पड़ता है. लिहाजा आम बजट में लघु उद्यमियों के लिए वित्त की जरूरत पूरी करने के लिए विशेष कोष बनाने की घोषणा की जानी चाहिए. साथ ही एनबीएफसी के लिए रिफाइनेंस विकल्प भी दिया जाए. पिछले वर्ष के आम बजट में लघु उद्यमियों की पूंजी जरूरत पर कुछ ध्यान दिया गया और प्रख्यात बैंकर के.वी.कामत के नेतृत्व में एक समिति गठित की गई. यदि बजट में वित्त मंत्री कामत समिति की सिफारिशों पर गौर करेंगे तो हमें काफी खुशी होगी. आम बजट में हमें वस्तु व सेवाकर (जीएसटी) की रूपरेखा स्पष्ट किए जाने की भी उम्मीद हैं.